जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, बुधवार, 14 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 269, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन मंगलवार को कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह की अध्यक्षता में हुआ। जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक पदम भूषण डॉ.राम बदन सिंह ने नवभारत के निर्माण में कृषि व कृषि से संबद्ध विषयों में सुधार कर देश की 135 करोड़ आबादी की समुचित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने के नीतिगत पहलुओं पर चर्चा की। जिसमें उन्होंने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं

उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि के लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए खाद्यान्न उत्पादन मे आई बढ़ोतरी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने श्वेत क्रांति के जनक डॉ.वर्गीज कुरियन को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से देश में आज दूध की उपलब्धता 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्ध हो गई है जो कि विश्व की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धता से बहुत अधिक है। डॉ सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साग भाजी फसलों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्पादन के लिए शोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों से डॉ राम बदन द्वारा दिए गए नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं शैक्षणिक कार्यों में समाहित करने के लिए कहा। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉ.धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने किया। इस कार्यक्रम में सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-05, अंक - 258
बुधवार, 14 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
लखनऊ, नोएडा, झांसी और देहरादून से प्रकाशित

दैनिक भास्कर

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

For epaper → www.updainikbhaskar.com

अमृत महोत्सव पर कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का हुआ आयोजन

दुग्ध उत्पादन में देश विश्व के प्रथम स्थान पर : डॉ. राम बदन

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक पदम भूषण डॉ. राम बदन सिंह उपस्थित रहे। जिन्होंने नवभारत के निर्माण में कृषि व कृषि से संबद्ध विषयों में सुधार कर देश की 135 करोड़ आबादी की समुचित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने पर

नीतिगत पहलुओं की चर्चा की। चर्चा के दौरान डॉ सिंह ने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए बताया। कि वर्ष 1950 से 2020 तक खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना, उद्यानिकी फसलों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, एवं मत्स्य में 16 गुना वृद्धि हुई है। जिससे गरीबी व कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। डॉ. सिंह ने श्वेत क्रांति के जनक डॉ वर्गीज कुरियन को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही देश में आज दूध की उपलब्धता 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धि हो गई है।जो कि विश्व की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धता से बहुत अधिक है। डॉ सिंह ने कहा की उन्होंने दूध उत्पादन हेतु 150 लाख किसानों को जोड़कर 1 लाख 45 हजार गांव में दुग्ध उत्पादन समितियों की स्थापना की। जिससे दुग्ध की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 400 ग्राम संभव हो सकी है। और देश को विश्व का दूध उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर डॉ सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साग भाजी फसलों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्पादन हेतु शोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने कृषि में नैनो तकनीकी की भी बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने विश्व विद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों का आवाहन किया है। कि डॉ राम बदन द्वारा नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं शैक्षणिक कार्यों में समाहित करें। इस अवसर पर डॉ. एच जी प्रकाश ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 295 से अधिक प्रजातियां जिनमें 88 खाद्यान्न, 85 तिलहन, 54 दलहन ,58 साग भाजी फसलों की प्रजातियों के बारे में बताया उन्होंने बताया कि यह प्रजातियां किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। तथा विश्वविद्यालय की तकनीकी का किसान लाभ उठा रहे हैं।

हिन्दुस्तान
कानपुर • बुधवार • 14 जुलाई 2021 04

खाद्यान्न 6 तो दूध का 12 गुना बढ़ा उत्पादन

कानपुर। देश ने आजादी से अब तक काफी तरक्की की है। पद्म भूषण डॉ. राम बदन सिंह ने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना बढ़ोतरी हुई है। उद्यानिकी फसलों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, गन्ना और मत्स्य में 16 गुना की वृद्धि हुई है। वहीं गरीबी और कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने सभी संकाय सदस्यों को दिए गए सुझाव पर काम करने का निर्देश दिया।

ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने साथियों के   नीतियों को जनता के बीच बताकर सपा के   वारिश आदि रहे।   मारने की धमकी दी है।

कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित

कानपुर। सीएसए द्वारा भारत के 75 वें स्वाधीनता वर्ष के उपलक्ष में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक पदम भूषण डॉ. राम बदन सिंह उपस्थित रहे। जिन्होंने नव भारत के निर्माण में कृषि व कृषि से संबद्ध विषयों में सुधार कर देश की 135 करोड़ आबादी की समुचित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने पर नीतिगत पहलुओं की चर्चा की। चर्चा के दौरान डॉ सिंह ने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए बताया। कि वर्ष 1950 से 2020 तक खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना,

बागवानी फसलों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, एवं मत्स्य में 16 गुना वृद्धि हुई है। जिससे गरीबी व कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। डॉ. सिंह ने श्वेत क्रांति के जनक डॉ वर्गीज कुरियन को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही देश में आज दूध की उपलब्धता 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्ध हो गई है।जो कि विश्व की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धता से बहुत अधिक है। डॉ सिंह ने कहा की उन्होंने दूध उत्पादन हेतु 150 लाख किसानों को जोड़कर 1 लाख 45 हजार गांव में दुग्ध उत्पादन समितियों की स्थापना की। जिससे दुग्ध की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 400 ग्राम संभव हो सकी है। और देश को विश्व का दूध उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर डॉ सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साग भाजी फसलों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्पादन हेतु शोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने कृषि में नैनो तकनीकी की भी बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने विश्व विद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों का आवाहन किया है। कि डॉ राम बदन द्वारा नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं शैक्षणिक कार्यों में समाहित करें इस अवसर पर डॉ. एच जी प्रकाश ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 295 से अधिक प्रजातियां जिनमें 88 खाद्यान्न, 85 तिलहन, 54 दलहन ,58 साग भाजी फसलों की प्रजातियों के बारे में बताया उन्होंने बताया कि यह प्रजातियां किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। तथा विश्वविद्यालय की तकनीकी का किसान लाभ उठा रहे हैं। जिसमें जायद व ग्रीष्मकालीन मूंगफली खेती तकनीक को विभिन्न संस्थानों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। हरित क्रांति में विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान हेतु विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने किया। इस कार्यक्रम में सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अमर उजाला
बुधवार • 14.07.2021 05
kanpur.amarujala.com

26 गांवों को आदर्श बनाएंगे कृषि विज्ञान केंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रदेश के 13 जिलों में हैं सीएसए के कृषि विकास केंद्र

कानपुर। सीएसए से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले दो गांवों को आदर्श गांव बनाएगा। केवीके और विवि के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिकों से अपने अपने स्तर पर आदर्श गांव बनाने का प्लान बनाने को कहा गया है। प्रदेश के 13 जिलों में सीएसए से संबद्ध केवीके हैं। इस प्रकार से 26 गांवों को आदर्श गांव बनाने का प्रयास होगा।

बताते चलें कानपुर देहात के मैथा ब्लॉक के अनूपपुर गांव को सीएसए बायोफोर्टिफाइड विलेज बना रहा है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कुलपति से मुलाकात के दौरान अनूपपुर को आदर्श गांव के रूप में विकसित करने को कहा था। आदर्श गांव योजना पर काम करने के लिए प्रसार निदेशालय और केवीके के वैज्ञानिकों की आईएएस अधिकारी हीरालाल सिंह से बीते दिनों ऑनालइन मीटिंग हुई थी। गांवों को विकसित करने के लिए इन्हें कई अवार्ड भी मिल चुके हैं। निदेशक प्रसार डॉ. एके सिंह ने बताया कि आदर्श गांवों में रोजगार, आत्मनिर्भरता, विकास, खेती और किसानों की समस्याओं समेत कई बिंदुओं पर कार्य किया जाना है।

दूध में 12 गुना तो खाद्यान्न उत्पादन में छह गुना हुई वृद्धि

कानपुर। 1950 से 2020 तक खाद्यान्न उत्पादन में छह गुना बढ़ोतरी हुई है। दूध में 12 गुना और मत्स्य उत्पादन में 16 गुना वृद्धि हुई है। इससे गरीबी और कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। ये बातें मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता पद्मभूषण कृषि वैज्ञानिक डॉ. राम बदन सिंह ने कही। डॉ. सिंह ने कहा कि विश्व में दुग्ध उत्पादन में देश का प्रथम स्थान है। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश, सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह, डॉ. धर्मराज सिंह आदि ने भी जानकारी दी। (संवाद)

अमर उजाला
बुधवार • 14.07.2021
kanpur.amarujala.com

न्यूज डायरी

12 और 13 अगस्त को यूपी कैटेट

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट) अब 12 और 13 अगस्त को होगी। बीते दिनों छह और सात अगस्त की तारीख घोषित की गई थी जिसे कतिपय कारणों से रद्द कर दिया गया है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसके गुप्ता ने बताया कि इस बार यूपी कैटेट सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ करा रहा है। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि अभ्यर्थी वेबसाइट upcatetadmissions.org एवं svbpmeerut.ac.in पर प्रवेश पत्र समेत अन्य जानकारियां ले सकते हैं। बता दें कि यूपी कैटेट पास होने के बाद प्रदेश के अयोध्या, मेरठ, बांदा और कानपुर के सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में दाखिला मिलता है। (संवाद)

12 व 13 अगस्त को यूपी-कैटेट

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के चारों कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा यूपी-कैटेट अब 12 व 13 अगस्त को होगी। सीएसए विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि 12 अगस्त को स्नातक पाठ्यक्रम की परीक्षा होगी। 13 अगस्त को प्रथम पाली में मास्टर्स व पीएचडी के लिए परीक्षा प्रथम पाली में और एमबीए के लिए द्वितीय पाली में परीक्षा होगी। अभी तक यह परीक्षा 6 व 7 अगस्त को होनी थी।

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
वर्ष: 6, अंक : 100 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
14 जुलाई, 2021
मूल्य ₹ 2.00
www.shashwattimes.com

बसपा का मिशन-2022 फतेह का खाका तैयार, क्या होगी टिकट बंटवारे में प्राथमिकता?....6

दुग्ध उत्पादन में देश विश्व के प्रथम स्थान पर : पदम भूषण डॉक्टर राम बदन सिंह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निदेशक शोध डॉक्टर एच जी प्रकाश एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक पदम भूषण डॉक्टर राम बदन सिंह उपस्थित रहे। जिन्होंने नवभारत के निर्माण में कृषि व कृषि से संबद्ध विषयों में सुधार कर देश की 135 करोड़ आबादी की समुचित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने पर नीतिगत पहलुओं की चर्चा की। चर्चा के दौरान डॉ सिंह ने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए बताया। कि वर्ष 1950 से 2020 तक खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना, उद्यानिकी फसलों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, एवं मत्स्य में 16 गुना वृद्धि हुई है। जिससे गरीबी व कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। डॉक्टर सिंह ने श्वेत क्रांति के जनक डॉ वर्गीज कुरियन को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही देश में आज दूध की उपलब्धता 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धि हो गई है जो कि विश्व की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धता से बहुत अधिक है। डॉ सिंह ने कहा की उन्होंने दूध उत्पादन हेतु 150 लाख किसानों को जोड़कर 1 लाख 45 हजार गांव में दुग्ध उत्पादन समितियों की स्थापना की। जिससे दुग्ध की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 400 ग्राम संभव हो सकी है। और देश को विश्व का दूध उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर डॉ सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साग भाजी फसलों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्पादन हेतु शोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने कृषि में नैनो तकनीकी की भी बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने विश्व विद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों का आवाहन किया है। कि डॉ राम बदन द्वारा नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं शैक्षणिक कार्यों में समाहित करें इस अवसर पर डॉक्टर एच जी प्रकाश ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 295 से अधिक प्रजातियां जिनमें 88 खाद्यान्न, 85 तिलहन, 54 दलहन ,58 साग भाजी फसलों की प्रजातियों के बारे में बताया उन्होंने बताया कि यह प्रजातियां किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। तथा विश्वविद्यालय की तकनीकी का किसान लाभ उठा रहे हैं। जिसमें जलागम व ग्रीष्मकालीन मूंगफली खेती तकनीक को विभिन्न संस्थानों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। हरित क्रांति में विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान हेतु विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

आज

कानपुर 14 जुलाई 2021 5

यूपी कैटेट-2021 की प्रवेश परीक्षा 12 व 13 अगस्त को होगी

(आंज समाचार सेवा)

कानपुर, 13 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के चारों कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा यूपी-कैटेट अब 12 व 13 अगस्त को होगी। सीएसए विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि 12 अगस्त को स्नातक पाठ्यक्रम की परीक्षा होगी। 13 अगस्त को प्रथम पाली में मास्टर्स व पीएचडी के लिए परीक्षा प्रथम पाली में और एमबीए के लिए द्वितीय पाली में परीक्षा होगी। अभी तक यह परीक्षा 6 व 7 अगस्त को होनी थी। मगर 6 अगस्त को महाशिवरात्रि का अवकाश और सात व आठ अगस्त को टीजीटी की परीक्षा प्रस्तावित होने से शेड्यूल में परिवर्तन किया गया है।